

56	हस्तः पाणिः करो	९६
57	ऽस्यादौ मणिवन्धो मणिश्च सः ॥ ५११ ॥	९७
58	करभो ऽस्मादाकनिष्ठं	१०१
59	करशाखाङ्गुरो समे ।	१०२
60	अङ्गुली चा-	१०३
61	ङ्गुलो ऽङ्गुष्ठ-	१०४
62	स्तर्जनी तु प्रदेशिनी ॥ ५१२ ॥	१०५
63	म्र्येष्ठा तु मध्यमा मध्या	१०६
64	सावित्री स्यादनामिका ।	१०७
65	कनीनिका तु कनिष्ठा-	१०८
66	वहस्तो हस्तपृष्ठतः ॥ ५१३ ॥	१०९
67	कामाङ्गुशो महाराजः करजो नखरो नखः ।	११०
68	करशूको भुजाकाण्डः पुनर्भवपुनर्नवौ ॥ ५१४ ॥	१११
69	प्रदेशिन्यादिभिः सार्धमङ्गुष्ठे वितते सति ।	११२
70	प्रादेशतालगोकार्णवितस्तयो यथाक्रमम् ॥ ५१५ ॥	११३
71	प्रसारिताङ्गुलौ पाणौ चपेटः प्रतलस्तलः ।	११४
72	प्रहस्तस्तालिका तालः	११५

57. Handgelenk (2 W.). — 58. Mittelhand, die Gegend vom Handgelenk bis zum kleinen Finger. — 59. 60. Finger (3 W.). — 61. Daumen (2 W.). — 62. Zeigefinger (2 W.). — 63. Mittelfinger (3 W.). — 64. Ringfinger (2 W.). — 65. Der kleine Finger (2 W.). — 66. Der Rücken der Hand. — 67. 68. Fingernagel (9 W.). — 69. 70. 1) Die Spanne des Daumens und des Zeigefingers. 2) D. Sp. d. D. u. des Mittelfingers 3) D. Sp. d. D. u. des Ringfingers. 4) D. Sp. d. D. u. des kleinen Fingers. — 71. 72. Die Hand mit ausgestreckten Fingern (6 W.).